अपने क्षेत्र में बिजली के संकट और उससे उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

सेवा में,

संपादक महोदय,

हिंदुस्तान टाइम्स,

बहादुरशाह जफर मार्ग

नई दिल्ली।

20-6-20.......

विषय : बिजली के संकट समाधान हेतु पत्र।

मान्यवर,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से अपने क्षेत्र में बिजली की अव्यवस्था के संबंध में अपनी शिकायत 'दिल्ली विद्‌युत प्रदाय संस्थान' के अधिकारियों तक पहुँचाना चाहता हूँ।

आजकल दिल्ली जैसे महानगर में बिजली का संकट दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। हमारे क्षेत्र में बिजली कुछ ही घंटों के लिए आती है। गरमी में तो बिजली न होने के कारण हमें बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। विद्‌यार्थियों को बिजली न होने के कारण पढ़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

हमने कई बार 'विद्‌युत प्रदाय' के अधिकारियों से शिकायत भी की है लेकिन उसका कोई समाधान नहीं निकला है।

मुझे विश्वास है कि मेरे इस पत्र को आपके समाचार-पत्र के 'आपके पत्र' नामक कॉलम में पढ़कर विद्‌युत अधिका
हमारी समस्या का उचित और यथाशीघ्र समाधान करेंगे।

धन्यवाद सहित

भवदीय

अभिनव

फौव्वारा चौक, नई दिल्ली।

4. पानी की बर्बादी के विषय में माँ और पुत्र के बीच संवाद

माँ – बेटा! तुम ये पाइप से गाड़ी क्यों धो रहे हो? अरे! तुमने इतना पानी बर्बाद कर दिया।

बेटा – माँ पानी की बर्बादी कैसी, कार बहुत गंदी हो गई है, इसलिए पाइप लगाकर पानी से कार को ही तो धो रहा हूँ।

माँ – बेटा! तुम्हें पता है जितना पानी तुमने कार धोने में इस्तेमाल किया है और सड़क पर बहा दिया है, उससे दस लोगों की प्यास बुझ सकती थी।

बेटा – वह कैसे माँ?

माँ – बेटा, पानी का प्रयोग सोच-समझकर करना चाहिए। तुम्हें मालूम नहीं कि आजकल पानी की कितनी कमी होती जा रही है। कई लोगों को तो पीने का पानी तक नसीब नहीं हो रहा है।

बेटा – हाँ! मैंने भी अख़बारों में पढ़ा है और दूरदर्शन पर देखा है कि कई इलाकों में पानी बिल्कुल ही नहीं आ रहा है। लोग पानी के लिए तरस रहे हैं।

माँ – मैं भी तुम्हें यही समझाना चाहती हूँ कि तुम एक कार धोने में इतना सारा पानी व्यर्थ में बहा रहे हो। इस पानी की तुम बचत कर सकते थे। पानी की एक-एक बूँद अमूल्य है। आज बचाया गया पानी कल काम आ सकता है।

बेटा – माँ, मैं आपकी बात समझ गया हूँ। आज से मैं पानी बिल्कुल बर्बाद नहीं करूँगा। मैं केवल एक बाल्टी पानी से ही कार को साफ़ कर लूँगा। भविष्य में भी हमेशा पानी का उपयोग मितव्ययिता के साथ करूँगा।